केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०११ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - १

जनवरी, २०११ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रद्धन के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''टूट पड़ो उस लडके पर ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''मैं आप सब को वहाँ कथा सुनाऊँगा ।''

३. ''यह क्या ? यह हिन्दूओं की कैसी उल्टी रीति है ? मुझे तो बिलकुल ही समझ में नहीं आ रहा ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. बीजल आश्चर्यचकित होकर नीलकंठवर्णी के चरणों में गिर गया ।

.....

.....

.....

.....

२. वंशीपुर के प्रजाजनों आश्चर्यचकित हो गये ।

३. पुलहाश्रम के योगी, मुनि नीलकंठवर्णी के चरण छूते और प्रार्थना करते थे ।

प्र. ३ 'धर्म का उपदेश' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. मुक्तानंद स्वामी ध्यान में किस के दर्शन कर रहे थे ?

.....

.....

२. नीलकंठवर्णी ने कब गृहत्याग किया ?

३. नीलकंठवर्णी ने रामानंद स्वामी को लिखे हुए पत्र में क्या था ?

४. नीलकंठवर्णी जयरामदास को क्या सिखाते थे ?

५. बदरीवन में किस का आश्रम है ?

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(४)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. सेवकराम की नीलकंठवर्णीने की हुई सेवा ।

(१) ☐ सेवकराम भागवत का कथाकार था ।

(२) ☐ चिंता मत कीजिए । मैं आपकी सेवा करुँगा ।

(३) ☐ नीलकंठवर्णीने चार माह तक सेवकराम की सेवा की ।

(४) ☐ नीलकंठवर्णी सेवकराम का एक मन का भारी सामान उठाते थे ।

२. जांबुवान का कल्याण ।

(१) ☐ मुझे ताजी कमलककड़ी खाना है ।

(२) ☐ नाव पर सवार होकर नीलकंठवर्णी, जयरामदास और कृष्ण तंबोली जंगल में गये ।

(३) ☐ अब वह शरीर-त्याग करके बदरिकाश्रम में जायेगा ।

(४) ☐ जांबुवान ने श्रीकृष्ण की सेवा की थी ।

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४)**

१. रामशर्मा के पिता का नाम ..... था ।

२. नेपाल में पृथ्वीनारायण सहा का पौत्र ..... राज कर रहा था ।

३. लक्ष्मणजी को नीलकंठवर्णी ने ..... रूप में दर्शन दिये ।

४. जगन्नाथपुरी में नीलकंठवर्णी ..... के नीचे ध्यान लगाकर बैठ जाते ।

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''भगतजी महाराज भी साथ में हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''तेरा ठाकुरजी यदि वास्तव में है तो इस कटोरे का दूध अभी आकर पी जाय ।''

३. ''सरस्वती स्वयं तुम्हारी जीभ पर बिराजेगी ।''

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(४)**

१. जेठाभगत ने दीक्षा ले ली ।

.....

.....

.....

.....

२. लाडुदानजी के परिवार के लोग गढपुर में आए ।

प्र.९ 'जीवुबा का त्याग और गृहस्थाश्रम के प्रति उनकी उदासीनता' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४)**

१. देवानन्द स्वामी के आशीर्वाद से दलपतराम आगे चलकर क्या बने ?

.....

.....

२. मुम्बई से पेण तीमारदारी के लिए जाते समय स्वामीश्री ने निर्गुण स्वामी से क्या कहा ?

३. झीणाभाई क्या सहन नहीं कर सकते थे ?

४. जूनागढ में कौन-से देव की प्रतिष्ठा हुई ?

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **(६)**

विषय : सद्‌गुरु शुकानंद स्वामी ।

१. सन्तों का चरित्र देखकर और बातें सुनकर श्रीजीमहाराज के प्रत्यक्ष दर्शन की लालसा तीव्र हो उठी । **२.** श्रीजीमहाराज उनके सामने दौड़े और दंडवत् करने लगे । **३.** सुरा खाचरने श्रीजीमहाराज से निवेदन किया कि डभाण के ब्राह्मण को साधु होना है । **४.** उनको वरताल में प्रथम दर्शन हुए । **५.** डभाण में आकर बसे हुए विप्र जगन्नाथ वैसे तो नडियाद के निवासी थे । **६.** मुक्तानन्द स्वामी ने उनको दीक्षा दी और शुकानन्द स्वामी नाम रखा । **७.** चलिए, चलिए, डभाण से कोई मुक्त आ रहा है । **८.** ब्रह्मानन्द स्वामी तुम्हारा पूर्व का नाम शायद जानते होंगे । **९.** श्रीजीमहाराज के पत्रव्यवहार का पूरा कामकाज वे ही सम्हालते थे । **१०.** विप्र जगन्नाथ घरबार छोड़कर गढपुर की ओर निकल पड़े । **११.** परमहंस डभाण में विप्र जगन्नाथ के पास विद्याभ्यास करते थे । **१२.** दीक्षा लेकर शुकानन्द स्वामी श्रीजीमहाराज के दर्शन करने के लिए लक्ष्मीवाडी में गये ।

(१) केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : स्वामी यज्ञप्रियदासजी : मोतीभाई के पुत्र जेठाभाई, खेत में घुमते समय बिच्छु के काटने से धाम में गए । बाद में श्रीजीमहाराज के साथ आकर मोतीभाई को नारायण कहा ।

उत्तर : स्वामी यज्ञप्रियदासजी : आशाभाई के पुत्र **देसाईभाई**, **चारागाह** में **काम** करते समय **सर्पदंश** होने से धाम पधारे । बाद में **भगतजी महाराज** के साथ आकर **आशाभाई** को **जय स्वामिनारायण** बोला ।

१. **स्वामी यज्ञप्रियदासजी :** आशाभाई शास्त्रीजी महाराज की अस्सीवीं जन्म-जयन्ती पर अटलादरा में और सुवर्ण जयन्ती के अवसर पर बोचासण सेवा में प्रमुख थे ।

उ. ....

....

२. **भक्तराज जीवुबा :** जीवुबा ने सास रामबाई को कहा, 'मैं आजीवन तप करके भगवान भजना चाहती हूँ ।'

३. **सद्‌गुरु देवानन्द स्वामी :** मैं आज धाम में जानेवाला हूँ मेरे लिए रथ तैयार रखना ।

४. **सद्‌गुरु ब्रह्मानन्द स्वामी :** श्रीजीमहाराज ने ब्रह्मानन्द स्वामी को कहा, ''गढ़डा में तीन शिखर का मन्दिर करना ।''

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (१०)

१. भक्तों के योगक्षेम के रखवाले : प्रमुखस्वामी महाराज । (स्वामिनारायण प्रकाश - जुलाई - २००८)

२. प्रामाणिकता और आरोग्य । (स्वामिनारायण प्रकाश - नवम्बर-दिसम्बर - २००८)

३. कौटुम्बिक एकता के चार सिद्धांत । (स्वामिनारायण प्रकाश - जून - २००८)

( ) ....

पूर्व कसौटी के निबंध के लिए नीचे दी गई लींक का उपयोग करें :

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/essays/

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

* * *